जो व्यक्ति अल्लाह के लिए किसी से प्रेम करे या किसी से घृणा करे, या किसी को कुछ दे या किसी को कुछ न दे, तो यह उसके ईमान को पूर्ण करता है

जो व्यक्ति (अल्लाह के लिए) किसी से प्रेम करे या किसी से घृणा करे (अल्लाह के लिए) और किसी को कुछ दे या किसी को कुछ न दे, तो यह उसके ईमान को पूर्ण करता है

[अबू दाऊद] [इसे शेख अल्बानी ने सहीह अबू दाऊद में - इस हदीस को सहीह अबू दाऊद में]

http://sunnah.global/hadeeth/hi/show/5935